



Kh

27 Dec 1999

04:24 AM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121638805

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 26-27/12/1999
दिन _____: रवि-सोमवार
जन्म समय _____: 04:24:00 घंटे
इष्ट _____: 52:52:49 घटी
स्थान _____: Rohtak
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:54:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 04:00:32 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:17 घंटे
साम्पातिक काल _____: 10:20:31 घंटे
सूर्योदय _____: 07:14:52 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:32:51 घंटे
दिनमान _____: 10:18:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 10:51:51 धनु
लग्न के अंश _____: 02:25:34 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: प्रीति
करण _____: तैतिल
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

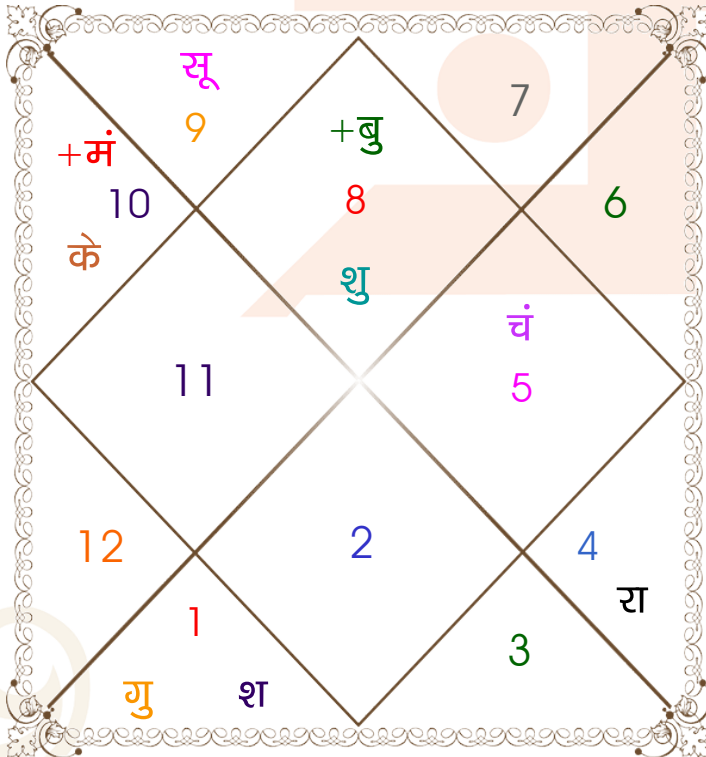
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:25:34	306:25:29	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	10:51:51	01:01:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	08:39:06	13:50:01	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मक	29:48:33	00:46:31	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	29:29:01	01:31:42	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	01:13:34	00:01:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	01:01:35	01:12:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
शनि	व		मेष	16:40:51	00:01:47	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	10:07:54	00:01:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	10:07:54	00:01:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:41:03	00:02:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:08:46	00:02:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:24:11	00:02:11	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			सिंह	09:20:13	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

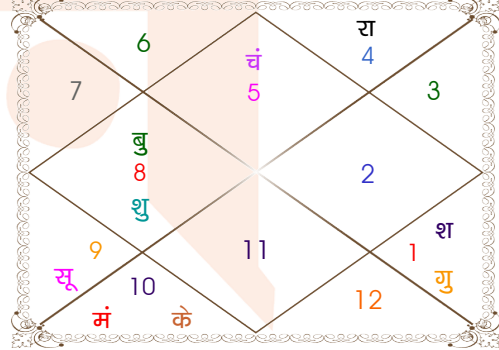
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:11

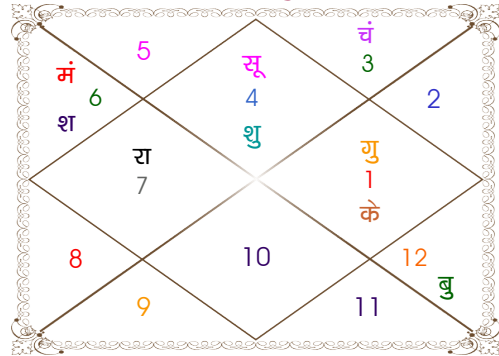
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 5 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
27/12/1999	11/06/2002	11/06/2022	11/06/2028	11/06/2038
11/06/2002	11/06/2022	11/06/2028	11/06/2038	11/06/2045
00/00/0000	शुक्र 11/10/2005	सूर्य 29/09/2022	चंद्र 11/04/2029	मंगल 08/11/2038
00/00/0000	सूर्य 11/10/2006	चंद्र 31/03/2023	मंगल 10/11/2029	राहु 26/11/2039
00/00/0000	चंद्र 11/06/2008	मंगल 05/08/2023	राहु 12/05/2031	गुरु 01/11/2040
00/00/0000	मंगल 11/08/2009	राहु 29/06/2024	गुरु 10/09/2032	शनि 11/12/2041
00/00/0000	राहु 11/08/2012	गुरु 17/04/2025	शनि 12/04/2034	बुध 08/12/2042
27/12/1999	गुरु 12/04/2015	शनि 30/03/2026	बुध 11/09/2035	केतु 06/05/2043
गुरु 05/05/2000	शनि 11/06/2018	बुध 04/02/2027	केतु 11/04/2036	शुक्र 05/07/2044
शनि 14/06/2001	बुध 11/04/2021	केतु 12/06/2027	शुक्र 11/12/2037	सूर्य 10/11/2044
बुध 11/06/2002	केतु 11/06/2022	शुक्र 11/06/2028	सूर्य 11/06/2038	चंद्र 11/06/2045

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
11/06/2045	12/06/2063	12/06/2079	11/06/2098	13/06/2115
12/06/2063	12/06/2079	11/06/2098	13/06/2115	00/00/0000
राहु 22/02/2048	गुरु 30/07/2065	शनि 14/06/2082	बुध 08/11/2100	केतु 09/11/2115
गुरु 18/07/2050	शनि 10/02/2068	बुध 22/02/2085	केतु 05/11/2101	शुक्र 08/01/2117
शनि 24/05/2053	बुध 18/05/2070	केतु 02/04/2086	शुक्र 05/09/2104	सूर्य 16/05/2117
बुध 11/12/2055	केतु 24/04/2071	शुक्र 02/06/2089	सूर्य 13/07/2105	चंद्र 15/12/2117
केतु 29/12/2056	शुक्र 23/12/2073	सूर्य 15/05/2090	चंद्र 12/12/2106	मंगल 13/05/2118
शुक्र 30/12/2059	सूर्य 11/10/2074	चंद्र 14/12/2091	मंगल 09/12/2107	राहु 31/05/2119
सूर्य 22/11/2060	चंद्र 10/02/2076	मंगल 22/01/2093	राहु 28/06/2110	गुरु 28/12/2119
चंद्र 24/05/2062	मंगल 16/01/2077	राहु 29/11/2095	गुरु 03/10/2112	00/00/0000
मंगल 12/06/2063	राहु 12/06/2079	गुरु 11/06/2098	शनि 13/06/2115	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृत्ति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृत्ति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृत्ति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृत्ति जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति रही अर्थात् इस प्रवृत्ति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढाँचे के होते हैं। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृत्ति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।